

*[Faint handwritten notes, likely bleed-through from the reverse side.]*















[illegible]

τοὺς κατὰ  
λαίαν λαίαν  
ἡδονήν  
τοὺς τῶν μέγας  
ἐκείνων ὅτι:

καὶ με πρώτωτάτῃς τῆς τοῦ Κρόνου γῆλο μὴ τις  
ἀμφότερον γινώσκει, καὶ οὐδεὶς αὖτε παρ' αὐτοῖς τοῖς  
Κελύεσσι· οὐδὲ πᾶσι μέγα θαυμάσιον ἀνέσχετο·  
ἀλλ' ἦτοι μὲν ταῦτ' ὑποείζομεν Ἀμφιλοισί·  
σοὶ μὲν γὰρ, σὺ Νόμοι, ἐπὶ δέδορται θεοὶ ἄλλοι  
ἀθάνατοι· οὐδὲ θάνατον ἀνθρώποις ἐπὶ τείλει  
ἐλθεῖν ὅς τ' ὥσιν καὶ Ἀχαιῶν φύλον περικύρην·  
πειράμ' ἴδωσ' ἐν τῷ ὄντι ἐπεὶ Κύδαντας Ἀχαιῶν  
ἄρξωσι πρότεροι ὑπερόρκια δὴ λήσασθαι.  
ὥσ' ὅφρα, οὐδ' ἀπ' ἧς πατὴρ ἄνδρ' ὤντε θάοιεν  
αὐτὶ καὶ θῆωσι ὥς αὖτε ὑπὸ ὄντι προῦδα·  
αἰεταὶ δ' ἄρα τὸν ἔρθε μέγα τῶας καὶ Ἀχαιῶν·  
πειράμ' ἴδωσ' ἐν τῷ ὄντι ἐπεὶ Κύδαντας Ἀχαιῶν  
ἄρξωσι πρότεροι ὑπερόρκια δὴ λήσασθαι.  
ὥσ' ὅπ' ὅτ' ὡς τῶας, παρὸς μεμαυμένῃσιν ἄνδρ' ὤντι.  
καὶ δὲ καὶ τοῦ ἱερωτοῦ Κρόνου αἰετῶν  
δοῖον δ' αἰετῶν ἡ κε Κρόνου πύσιν γῆλο μὴ τις  
ἡ, καὶ τῇσι τέρας, ἡ θάρατ' ἐν τῇ λαῶν  
λαμπρόν· τοῦ δ' ἐπεὶ ποιοῖ ἀπὸ σπινθήρος ἵσταται  
τῷ εἰς τὴν γῆν ἐπὶ χθονα παλαιὰ ἀνθρώπων  
καὶ δ' ἐπὶ τῷ ὄντι μέγας· φάσμα δ' ἐχθρὸς ὁρῶν  
τῶας ἵπποδαίμων, καὶ ἐν Κρήνιδας Ἀχαιῶν  
ὥς δ' ἐπὶ εἰς ἐπὶ τῷ ὄντι δὲ πᾶσι τοῖς ἄλλοις  
ἡρ' αὐτοῖς πόλεμον τε καὶ ὅς καὶ φύλοισι ἀνθρώπων  
ἔσται, ἡ δὲ γῆ ὅλητα μέγα ἀμφοτέροισι τίθησι

$\tau \dot{\omega} \epsilon \pi \rho \delta$   
 $\tau \dot{\omega} \lambda \psi \mu \eta$   
 $\bar{\tau}$

[illegible]







ΧΡΥΣΕΙΟΙ ΣΥΝΕΧΟΝ: ΟΤΙ ΚΑΘΕΡΤΟ ΠΡΩΤΟΓΕΝΕΤΟ ΔΕ ΠΡΟΣ ΗΩ: ΘΕΟΡΑΞ ΚΑΘΕ ΥΠΕΡΜΕΤΟ ΤΩΙ ΣΤΑΤΩΙ ΦΑΡΑΚΙ  
ΤΗΛΕΦΩΝ ΖΩΜΑΙ ΚΑΘΗΚΟΝ ΜΕΧΕΙ ΤΩΝ ΖΟΡΑΤΩΝ ΑΠΟ ΤΗΛΕΦΩΝ Τ







[illegible]

ΟΥΝ ΙΣΕΙΜΗΝΟΙ ΜΗΝΟΙ: ΙΣΕΡΟΙΣ ΕΙΠ  
 ΟΤΙ ΜΕΤΕΡΧΑ ΑΡΕΦΟΝΙΟΝ ΥΠΕΡΕΡΧΕ  
 ΤΗΝ ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΝ ΠΡΟΧΩΡΑ ΔΙΑΓΝΩ  
 ΥΕΡ ΕΩΤΗ ΜΗΝΟΙ:

Εὐρεία χθώνι ὁ τοῦ ἱεροῦ ἱεροῦ  
 μέγας ἐκείνου ἐκείνου ἐκείνου  
 ἵσται τοῦ ἐκείνου ἐκείνου ἐκείνου  
 ἐκείνου ἐκείνου ἐκείνου ἐκείνου

2. ἀπορδαίτ' ἀκρητοί· καὶ δόξαι ἡς ἐπέμνη.  
 εἰπὲρ γάρ τε καὶ αὐτὶς ὁ μρμποσὸς ἐξέλεσθαι.  
 3. ἔκτε καὶ οἱ τὲ τρεῖς· οὐτε μὲν ἀχαιὶ ἀπέτισαν·  
 οὐδ' ἡλίου κερφαλῆσι· μῶν γ' ἴτε δ' ἐτελέσθη.  
 4. ὅτ' ἀρ' ἔχοντο δὲ διδάκατα φρεσὶν καὶ καταφρονέον·  
 ὅσ' ἐστιν ἡ μαρ· ὅτ' ἀμ' ποτ' ὀλέσθην ἱλίοσ' ἱρή·  
 καὶ πρίαμος· καὶ μάσ' ὅτ' ἡμετέρω πρίαμοιο.  
 5. ἡ δὲ δόξ' ἡμῶν ἰδοὺ τίς γ' ὅσ' αἰθερὶ μάσ' ὅσ'·  
 αὐτὸς ὅσ' ἡλίου κερφαλῆσι· αἰθερὶ μάσ' ὅσ'·  
 6. τῆς δ' ἀπαθῆς κοίτης· τὰ μὲν ὅσ' αὐτοῦ κατέχευται·  
 ἄλλοι αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 7. καὶ κερφαλῆσι· καὶ μάσ' ὅτ' ἡμετέρω πρίαμοιο.  
 αὐτὶς καὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 8. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 9. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 10. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 11. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 12. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 13. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 14. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 15. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 16. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 17. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 18. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 19. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 20. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 21. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 22. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 23. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 24. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 25. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 26. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 27. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 28. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 29. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 30. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 31. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 32. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 33. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 34. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 35. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 36. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 37. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 38. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 39. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 40. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 41. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 42. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 43. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 44. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 45. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 46. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 47. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 48. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 49. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 50. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 51. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 52. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 53. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 54. αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ' αἰθερὶ ὅσ' αἰμὼν ἄρ' ὅσ'·  
 55. αἰθερὶ ὅσ' α







Враха  
толаі ВЕТ  
пТіахтм  
Хесфас:  
  
Хтаохаи  
нмхурис  
ітккм н др  
іртл:







609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.







[illegible]

10  
 11  
 12  
 13  
 14  
 15  
 16  
 17  
 18  
 19  
 20  
 21  
 22  
 23  
 24  
 25  
 26  
 27  
 28  
 29  
 30  
 31  
 32  
 33  
 34  
 35  
 36  
 37  
 38  
 39  
 40  
 41  
 42  
 43  
 44  
 45  
 46  
 47  
 48  
 49  
 50  
 51  
 52  
 53  
 54  
 55  
 56  
 57  
 58  
 59  
 60  
 61  
 62  
 63  
 64  
 65  
 66  
 67  
 68  
 69  
 70  
 71  
 72  
 73  
 74  
 75  
 76  
 77  
 78  
 79  
 80  
 81  
 82  
 83  
 84  
 85  
 86  
 87  
 88  
 89  
 90  
 91  
 92  
 93  
 94  
 95  
 96  
 97  
 98  
 99  
 100  
 101  
 102  
 103  
 104  
 105  
 106  
 107  
 108  
 109  
 110  
 111  
 112  
 113  
 114  
 115  
 116  
 117  
 118  
 119  
 120  
 121  
 122  
 123  
 124  
 125  
 126  
 127  
 128  
 129  
 130  
 131  
 132  
 133  
 134  
 135  
 136  
 137  
 138  
 139  
 140  
 141  
 142  
 143  
 144  
 145  
 146  
 147  
 148  
 149  
 150  
 151  
 152  
 153  
 154  
 155  
 156  
 157  
 158  
 159  
 160  
 161  
 162  
 163  
 164  
 165  
 166  
 167  
 168  
 169  
 170  
 171  
 172  
 173  
 174  
 175  
 176  
 177  
 178  
 179  
 180  
 181  
 182  
 183  
 184  
 185  
 186  
 187  
 188  
 189  
 190  
 191  
 192  
 193  
 194  
 195  
 196  
 197  
 198  
 199  
 200  
 201  
 202  
 203  
 204  
 205  
 206  
 207  
 208  
 209  
 210  
 211  
 212  
 213  
 214  
 215  
 216  
 217  
 218  
 219  
 220  
 221  
 222  
 223  
 224  
 225  
 226  
 227  
 228  
 229  
 230  
 231  
 232  
 233  
 234  
 235  
 236  
 237  
 238  
 239  
 240  
 241  
 242  
 243  
 244  
 245  
 246  
 247  
 248  
 249  
 250  
 251  
 252  
 253  
 254  
 255  
 256  
 257  
 258  
 259  
 260  
 261  
 262  
 263  
 264  
 265  
 266  
 267  
 268  
 269  
 270  
 271  
 272  
 273  
 274  
 275  
 276  
 277  
 278  
 279  
 280  
 281  
 282  
 283  
 284  
 285  
 286  
 287  
 288  
 289  
 290  
 291  
 292  
 293  
 294  
 295  
 296  
 297  
 298  
 299  
 300  
 301  
 302  
 303  
 304  
 305  
 306  
 307  
 308  
 309  
 310  
 311  
 312  
 313  
 314  
 315  
 316  
 317  
 318  
 319  
 320  
 321  
 322  
 323  
 324  
 325  
 326  
 327  
 328  
 329  
 330  
 331  
 332  
 333  
 334  
 335  
 336  
 337  
 338  
 339  
 340  
 341  
 342  
 343  
 344  
 345  
 346  
 347  
 348  
 349  
 350  
 351  
 352  
 353  
 354  
 355  
 356  
 357  
 358  
 359  
 360  
 361  
 362  
 363  
 364  
 365  
 366  
 367  
 368  
 369  
 370  
 371  
 372  
 373  
 374  
 375  
 376  
 377  
 378  
 379  
 380  
 381  
 382  
 383  
 384  
 385  
 386  
 387  
 388  
 389  
 390  
 391  
 392  
 393  
 394  
 395  
 396  
 397  
 398  
 399  
 400  
 401  
 402  
 403  
 404  
 405  
 406  
 407  
 408  
 409  
 410  
 411  
 412  
 413  
 414  
 415  
 416  
 417  
 418  
 419  
 420  
 421  
 422  
 423  
 424  
 425  
 426  
 427  
 428  
 429  
 430  
 431  
 432  
 433  
 434  
 435  
 436  
 437  
 438  
 439  
 440  
 441  
 442  
 443  
 444  
 445  
 446  
 447  
 448  
 449  
 450  
 451  
 452  
 453  
 454  
 455  
 456  
 457  
 458  
 459  
 460  
 461  
 462  
 463  
 464  
 465  
 466  
 467  
 468  
 469  
 470  
 471  
 472  
 473  
 474  
 475  
 476  
 477  
 478  
 479  
 480  
 481  
 482  
 483  
 484  
 485  
 486  
 487  
 488  
 489  
 490  
 491  
 492  
 493  
 494  
 495  
 496  
 497  
 498  
 499  
 500  
 501  
 502  
 503  
 504  
 505  
 506  
 507  
 508  
 509  
 510  
 511  
 512  
 513  
 514  
 515  
 516  
 517  
 518  
 519  
 520  
 521  
 522  
 523  
 524  
 525  
 526  
 527  
 528  
 529  
 530  
 531  
 532

[illegible][illegible]

τὸν δὲ μοῖραν καὶ τιμὸν ἐν τῇ θάλασσᾳ ἔχοντος.  
 ὡς ὁ βρῶν ὠτρυνε πάσαις πολεμῶν βύειδ' ὄσους·  
 καὶ τὸν μετ' ἐλθόντων ἰδὼν ἰκρεῖον φάμε' ἡμῶς.  
 καὶ μὲν φωνήσας ἔσταντο βρόβητα προσήνδαν.  
 ὡς βρόν· ἧθ' ὅσ' τιμὸν ἐν τῇ θάλασσᾳ φίλοισιν.  
 ὡς τοι γυναικὶ ἔσσι τοι, κ' ἡδ' ὄσους ἐν πεδίοσ' εἴη.  
 ἄλλ' ἄσπετος ἡμεῖς τείρει ὁμοῖον ὅσ' ὄφρα βρῶντος  
 ἀνδρῶν ἄλλος ἔχειν· σὺ δὲ κούροισι ποιοῖς κ' ἡμῶν.  
 τὸν δ' ἡμεῖς καὶ ἔπειτα βρῆκ' ἡμῶς ἰπποτάμεντα  
 ἄντρεϊδ'· μάλα μετ' οἱ φ' ὀρ' ἔθελοι μὲν αὐτὸν  
 ὡς βρῶν· ὡς ὁ τέδιον βρῶντα μῶν κατέκτανεν.  
 ἄλλ' οὐ πῶς ἄμα πάντας τοὺς δόσαν ἀνθρώποισιν·  
 εἰ τότε κούροισι βῶν ὡς αὐτὸν ἡμεῖς ἰκρεῖν·  
 ἀλλὰ καὶ ὡς ἰπποταί μετ' αὐτοῖς· ἡ δὲ Κερκύρα  
 Κουρή· καὶ μύθοισι· τὸ γὰρ βρῶντος ἐν βρόντῳ  
 αἰχμᾶς δι' αἰχμᾶσιν ὀκνῶντες, οἱ πρὸ βρῶντος  
 ὁπλοῖτοισι βρῶντος, πεποιθασιν τε κ' ἡμῶν·  
 ὡς βρῶντος ἄντρεϊδ' ὄσους παρ' ὀχθρῶν ἡμῶν  
 βρῶντος ὅς περ ἔσσι πρῶτον πρῶτον  
 ἔσσι· ἀμφὶ δ' αὖθις αἰοῖς μετ' ὄσους αὐτῶν·  
 αὐτὰρ ὁ πρῶτον ὄσους κ' ἐκείνους μὲν ὄσους  
 παρδὲ Κερκύρα ἡμῶν ἀμφὶ αἰχμᾶς οὐ κατὰ πρῶτον  
 ἔσσι· οὐ γὰρ πῶς οἱ ἀκούσας ὄσους αὐτῶν·  
 ἄλλ' ἄνθρωποι γὰρ μετ' αἰχμᾶς οὐ κατὰ πρῶτον  
 τρῶντος ἰπποτάμεντος καὶ αἰχμᾶς· οἱ δὲ μετ' ὄσους

*(Handwritten Greek text from folio 9v)*















[illegible]

Ημερ: Σ' / Εσπ. Εσπερ. αὐτ' ἡμέρας λθόν. πρ. βρ  
 χ' η' καλὴς βελ. καὶ π' ἡλ' ἡλ' τὸ μῦθ  
 σ' οὐ π' ἡ σ' ἡ σ'

[illegible]

Ζε φρονεῖν ἐποικίναςαντ· τολμαῖς  
 ἐπ' αὐτὰ κίε δ' οὐκ ἐστὶν τὸ ἀντίον  
 ἀπαρτίζονται· οἳ γὰρ παρ' ἑλμυ  
 διαστ' ἐπὶ πλοῦτον ἐμ' ἄφρονες φυλάσσει  
 ἔργον· οὐ μὲν γὰρ ἐστὶν ἐφ' ἑνὶ ὅχει  
 πρὸς δόμον· οὐδ' ὑπὸ δόμοι· —

Η ΓΕΛΕΙΩΝΗ: ΚΙΝΗΘΕΙ ΟΤΙ ΟΣ ΠΡ  
 ΚΙΝΗΘΕΙ ΟΤΙ ΟΣ ΠΡ  
 ΑΡΤΕ + ΟΥΔΕ ΑΙΝ ΠΙΣ ΑΡ. ΤΕ ΔΕ  
 ΟΙ ΔΕ ΑΡΤΕ ΑΙΝ ΠΙΣ ΑΡ. ΤΕ ΔΕ  
 ΑΡΤΕ ΑΙΝ ΠΙΣ ΑΡ. ΤΕ ΔΕ

2. ποτ' ἐν δαλ' ἰχθυήσιν: ἡν ἔβην  
 + θαλάσσης: ἡν ἔβην: ἡν ἔβην  
 3. ἔβην: ἡν ἔβην: ἡν ἔβην: ἡν ἔβην:

ΠΡΩΤΗ ΠΑΡΩΝΟΣ: ΠΑΡΑΤΑΚΑΡΩ  
 ΠΑΡΑΔΟΧΕΙΝΑΙ ΤΗ ΚΤΗΜΑΤΙ  
 ΣΠΟΙΟΝ ΤΗ ΚΤΗΜΑΤΙ ΕΙΣ ΑΚΟΥΤΑ

πρὸς τὴν ἐκκλησίαν:

Χ  
Ἰουταῖα!  
ἀττῖ ἰόν:

MS.A.9.7C.10. 26







Τὴν αὖτε περὶ τῆς ἐκείνου πλῆξης ἀντιθέσεως τοῦ ἑαυτοῦ ποδὸς τοῦ ποδὸς οὐδὲ δὲ λέγει·  
 ἐκείνου ὑπερβέλει κτλ. διὰ τοῦτο ἡ ἀντιθέσις ὑπερβέλει κτλ. ἡ ἀντιθέσις ὑπερβέλει κτλ. ὁ φρατὴς γὰρ

ἔρδ' ἐμὴ παῖ πῆξε· πῆρνε δ' αὖρ ὁ θεομείσο  
 αἰχμη' χαλκὸν εἰλ· τὸν δ' ἐσκόποσ' ὁσσοὶ ἀμύτρ·  
 ἡρὶ πεδ' ὥσ' ὅτε πύργος ἐμὴ κρατὴρ ἡλόμεν·  
 \* τὸν δ' ἐπύοντα ποδῶν ἐταυτ' ἐκείνους ἐλθὼν  
 χαλκὸν δ' ἐκτ' ἀνδρὸς, μὴ αὖτις ἀρχὸς αἰμάτων·  
 " ἔμμε δ' ὑπὸ κτενέων, λυγρὸν ἔμμενός· ὁ φρατὴς γὰρ  
 τείχεα συνήσειθ· μὴ ἰσχυρὸς τοῖς ἔρμε·  
 μὴ κρὸν γὰρ ἔρμεντα ἴδωρ μὴ αὖτις ἀνδρὸς·  
 πρὸ αὖ· τὰ οὖν ἐκείνῃ παρ' αἰσὶν δόξ' ἐφ' αἰσὶν  
 ὄντησε ζυγῶν χαλκὸν ἔμμενός· μὴ δ' ἐρμὴν  
 ὡς τὸν μὲν ἰπέθιμος· ἐπ' αὖτοισι δ' ἔργον ἐτίθη  
 ἀργαλθὸν τρώων καὶ ἀχαιῶν· οἱ δ' ἐμὴ κοῖσ' ὥσ'  
 ἀμμήλοισ' ἐσπόροισιν· ἀνὴρ δ' αὖτ' ἐδρὸν ἀμύτρ·  
 ἔρτ' ἐμὴν ἀντὶ θύωνος ἴδ' ὀντ' ἀμύτρον αἰσὶν·  
 ἡ ἔθρον· φάμεν δ' ὁρμὸς εἰσορ· ὅρμῳ τε μὴ τῇ  
 ἴδ' ἔθρον κατ' οἶσιν παρ' ὀχθῇ· σιμὸς μὲν ὅρμῳ  
 γείρατ'· ἐπ' αὖτοισι τὸ κτενὸς ἰσχυρὸν μὴ αὖτις  
 τούρθε κτενὸν καλθὸν σιμὸς εἰσορ· οὐδ' ἐκτενὸν  
 \* ἔρτ' ἀμύτρον φίλοισ' ἀπέδωκε· μὴ ἰσχυρὸς δ' οὖν αἰσὶν  
 ἔρτ'· ὑπ' αἰσὶν μὴ αὖτις ἀνδρὸς δουρὶ δαμνῇ·  
 πρῶτον γὰρ μὴ ἴδ' ὀντα καλθὸν αἰσὶν· παραμαζὸν  
 δόξ' ὁρμὸν· αἰτ' ἐκτενὸν δ' ἐμὸν χαλκὸν ἔχον  
 ἡμύτρ· ὁ δ' ἐκτενὸν ἡσυχαιὰ πῶτον αἰσὶν γείρατ'·  
 ἡρὶ αὖτ'· εἰ αὖ μὲν ἔχον μὴ αὖτις περὶ  
 λείη· ἀτὰρ τῶν δ' ὅζοι ἐπ' αἰσὶν τῇ περὶ αἰσὶν  
 τῇ μὲν ἔρτ' ἀρματο πῆρνε ἀνὴρ αἰσὶν σιμὸν δ' ἡρμὸν

† ἔρτ' ἀμύτρον· ἐμὸν δ' ἀμύτρον πῆρνε  
 ὁρμὸν δ' ἀμύτρον πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε

† ἀμύτρον· ἴδ' ὀντα ὁρμὸν πῆρνε  
 τῇ αἰσὶν, ἐμὸν δ' ἀμύτρον πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε

† ἔρτ' ἀμύτρον· ὁρμὸν πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε

† ἔρτ' ἀμύτρον· ὁρμὸν πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε ὁρμὸν πῆρνε

† ἔρτ' ἀμύτρον  
 ὁρμὸν πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε

† ἔρτ' ἀμύτρον  
 ὁρμὸν πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε  
 ὁρμὸν πῆρνε







+ ΤΡΙΤΟ ΓΕΝΕΙΑ: ἡ δὲ κη' ἢ τὸ τρίτον καὶ βοικὴ ζῆντα σαρκοφάγοις: ἡ δὲ πέμπτη παρὰ τὴν ἡλικίαν καὶ τὴν φύσιν ὅτι θνήσκουσιν ἔσθον αὐτοὶ θάλλει.

οὐ μαρ οὐδ' ἀχιλαιο. θείδου παῖσ' ἠὲ κόμοιο

ὁ ἀντιφράζει  
 τὸν χολόντη  
 ἑλληνα ἐπὶ  
 αὐτοῦ προῖ.

μαρμαται. ἀλλ' οἱ ρητοὶ χοροὶ μαζὰ παύσῃ.

ὦ σφ' αὐτ' ἀπὸ φόβου δειρὸς ἔθος· αὐτὰρ ἄχαϊὼν  
ὥρσε διὸς θυγάτηρ Κλυθιάη Τριτοχμεία.

Ἐρχομεν κατ' ὁμολογίαν, ὅτι μετὰ βρτασίου δοίτο.

Христѣ мой  
рабъ твои я

Ἐνταύθα μαρτυρεῖ δὴ δι' ὧρα μοι ῥ' ἔπεδ' ἦσε.

χρμαδίωι γὰρ κη το παρὰ σφυρὸν ὁ κριόβη  
 κνημωδὲς τερνῶ. ἡμε δὲ θνητὸν κωρὸν σφύρῳ.

πειρασῖμιρασίδησ. ὅς ἄρ' αἰνοῦσθ' ἐν ᾧ ἔσται

τ μεταφορικῶς :  
 τ ἀνέναντον  
 ἰσχυρὸν καὶ  
 λέγει :

· ἀμφοτέρωθεν τέρματε καὶ ὁ πέντε αὐτὸς ἀγαθὸς

ἀχρησάπηλοι νοβρ. ὁ δὲ πλοῖος ἐν κορυβίσι

ἡραχὲ ἀδ' αὐτῷ  
μετὰ τὸ ρη:

καὶ πᾶσι· ἀμφω χεῖρε φίλοις ἑαροῖστέ πελάσσας.

ἡμῶν ἀποπείσῃ. ὁ δ' ὅτι ὁραμεν ὅσοι θνατοὶ

πειρασ. οὐταδε δ' ουρι παρομφαγορ. εκ διαρ. ηωγ.

χρὴς χαμαὶ χολακῶν· τὸ ποδὲ δ' ἐκ τοῦ οὐδοῦ  
ἐκείνην ἀπὸ τοῦ ποδὸς ἐκείνου μὲν ὁμοίαν εἰς τοῦ

[illegible]

τομδε θόασαι τοιοσ πάσι μορφο κατ' εσσι

αβρ μου ὑπὲρ μαζοιο. πρὸς δὲ ἑρμηνεύει. ἡ δὲ  
ἡμετέραν ἐκείνην. ἡ δὲ ἡμετέραν. ἡ δὲ ἡμετέραν. ἡ δὲ ἡμετέραν.

αρχιμοροδοσι ηρνετοαι οκτο ρηματα  
 πτωχευοντο· βρισητοδε ζιφοσ οζν.

...αὐτοῦ ἐκ δ' αἰνότητος.

πῶς δ' οὐ καὶ περὶ τῆς σαυγᾶς αἰροί

ἡ δὲ ἑκαστὴ ἀπὸ κομοι. δοξίχ<sup>α</sup> χαχ<sup>α</sup> οἱ μ<sup>α</sup> γο<sup>α</sup> ρ<sup>α</sup>.

οἱ δὲ μαθηταὶ, δόξαν· καὶ ἡ φθιμορ· καὶ ἀναδόν

• ὡσαυτ' ἀποσφ' ὧν. ὁ δὲ χαλαμυροσ περιβρυχθῆ.

ὡς ἀνέγκοι ἡσυχία παρὰ ἄλλοις ἰσχυροῦς



† ΕΥΒΑΛΕΝΟΝ ΚΙ ΤΕΡΕΓΟΝ : ο τ' περὶ αὐτοῦ ἰσχυρὸν ἔστιν ἔργον καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· ἵστερ δὲ ὅτι ἰσχυρὸν τὸ αὐτοῦ  
 εὐρεῖται· αὐτὸ δ' αὖτε οὐκ ἔστι· ἵνα μὴ· τοῦ δ' ἄρ' ἔστι· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 λοιδοῦν ὅθεν αὖτε· ἵνα μὴ· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 ὅτι δ' αὖτε οὐκ ἔστι· ἵνα μὴ· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 περὶ τὸν γὰρ τὸν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 περὶ τὸν γὰρ τὸν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 ἔστιν ὅτι ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 ἵνα μὴ· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν

ἡτοιομένθρηικῶν· ὁ δ' ἑωφώων χαλκοχιτῶρων  
 ἡγμόνδ· πομποὶ δὲ περὶ κτείμοντο καὶ ἄλλοι·  
 > ἐρθῶκερ οὐκ ἔστι· ἐργον ἀνὴρ ὁ ρόσαι το μελῆφον  
 > ὅσι σὲ' ἀμνητοσ καὶ ἀμύντατοσ ὅζ ἑί χαλκῶι  
 διρβύοι κατὰ μῶτον· ἄροι δὲ παρῆσ' αὐθιῶι  
 χειρὸσ' ἐρῶσ'· αὐτὰρ υβρῶων· ἀπθρύκοι ἐρωλῶ  
 πομποὶ γὰρ τρώων καὶ ἀχαιῶν ἡμῶι κείρωι  
 πρὶν ὅσ' ἐρκορίηι σι παρ' ἀμνηλοισι τῆσσι·

περὶ τὸν γὰρ τὸν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 ἵνα μὴ· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 ἔστιν ὅτι ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 ἵνα μὴ· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν

† πρὸς τὴν τὴν ἀριστερὴν σελίδα· ἵνα μὴ· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 ἀριστερὴν σελίδα· ἵνα μὴ· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 πρὸς τὴν τὴν ἀριστερὴν σελίδα· ἵνα μὴ· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν



† πρὸς τὴν τὴν ἀριστερὴν σελίδα· ἵνα μὴ· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 ἀριστερὴν σελίδα· ἵνα μὴ· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 πρὸς τὴν τὴν ἀριστερὴν σελίδα· ἵνα μὴ· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν



ΙΛΙΑΔΟΣ Ε  
 ἦν τ' αὐτὸς τὸν δὴ διόμηνδε παρῆσ' αὐθιῶι  
 δῶκε μένος καὶ φάρσοσ'· ἵμ' ἐκ δὴ λος μῆσσι  
 ἀργεῖοισι γέροντο· ἵδ' ἐκ λος ἀφ' ὅρ' αἶροτο·  
 δαί εἶσι· ἐκ κορυφῆσ' καὶ ἀσπίδος αἰκάμας πομπῶ  
 > αἶσ'· ὁ πωρὶ μῶι ἐρμῆν κίον· ὁ σὲ μάλισα  
 > λαμπρὸν παμφαίρῃσι λελθόν μένος ὠκεανοῖο·  
 τοῖσιν, οἱ, πύρ δαί εἰσ' ἀπὸ κρατὸσ' αἰκάμας πομπῶ  
 ὠρσε δέ μιν κατὰ μῶτον· ὁ δ' ἡμῶι τοῖσιν ἰσχυροῖτο·

† πρὸς τὴν τὴν ἀριστερὴν σελίδα· ἵνα μὴ· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 ἀριστερὴν σελίδα· ἵνα μὴ· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν  
 πρὸς τὴν τὴν ἀριστερὴν σελίδα· ἵνα μὴ· ὅθεν ἔστιν ἰσχυρὸν καὶ χεῖροσ' ἐνὶ πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν· οὐκ ἔστι ἐν πλάττειν

ἡτοιομένθρηικῶν· ὁ δ' ἑωφώων χαλκοχιτῶρων  
 ἡγμόνδ· πομποὶ δὲ περὶ κτείμοντο καὶ ἄλλοι·  
 > ἐρθῶκερ οὐκ ἔστι· ἐργον ἀνὴρ ὁ ρόσαι το μελῆφον  
 > ὅσι σὲ' ἀμνητοσ καὶ ἀμύντατοσ ὅζ ἑί χαλκῶι  
 διρβύοι κατὰ μῶτον· ἄροι δὲ παρῆσ' αὐθιῶι  
 χειρὸσ' ἐρῶσ'· αὐτὰρ υβρῶων· ἀπθρύκοι ἐρωλῶ  
 πομποὶ γὰρ τρώων καὶ ἀχαιῶν ἡμῶι κείρωι  
 πρὶν ὅσ' ἐρκορίηι σι παρ' ἀμνηλοισι τῆσσι·  
 ἡτοιομένθρηικῶν· ὁ δ' ἑωφώων χαλκοχιτῶρων  
 ἡγμόνδ· πομποὶ δὲ περὶ κτείμοντο καὶ ἄλλοι·  
 > ἐρθῶκερ οὐκ ἔστι· ἐργον ἀνὴρ ὁ ρόσαι το μελῆφον  
 > ὅσι σὲ' ἀμνητοσ καὶ ἀμύντατοσ ὅζ ἑί χαλκῶι  
 διρβύοι κατὰ μῶτον· ἄροι δὲ παρῆσ' αὐθιῶι  
 χειρὸσ' ἐρῶσ'· αὐτὰρ υβρῶων· ἀπθρύκοι ἐρωλῶ  
 πομποὶ γὰρ τρώων καὶ ἀχαιῶν ἡμῶι κείρωι  
 πρὶν ὅσ' ἐρκορίηι σι παρ' ἀμνηλοισι τῆσσι·

λα





SeaHandPress.com has made this PDF available for free subject to the Creative Commons Attribution-Noncommercial-Share Alike 3.0 License that may be reviewed here: <https://creativecommons.org/licenses/by-nc-sa/3.0/>.

The digital bookmark of each PDF page identifies the first and last line number and folio page number. Please forward any corrections to [editor@seahandpress.com](mailto:editor@seahandpress.com).

This PDF is not subject to the Sea Hand Press license for personal use, and SeaHandPress.com does not claim a copyright in it.

One could at one time download hi-res digital images of individual folio pages of Venetus A in the Homer Multitext project's directory at <http://beta.hpcc.uh.edu/hmt/archive-dl/VenetusA/>, subject to the Creative Commons Attribution-Noncommercial-Share Alike 3.0 License. SeaHandPress.com independently reduced the files size, converted to PDF and cropped and bookmarked each page.

According to the Homer Multitext project at <http://www.homermultitext.org/image-archive/>, "All images in [the] directory [linked above] are derived from originals that are (c) 2007, Biblioteca Nazionale Marciana, Venezia, Italia. The derivative images are (c) 2010, Center for Hellenic Studies. **All original and derivative images are licensed under the Creative Commons AttributionNoncommercial-Share Alike 3.0 License.** The CHS/Marciana Imaging Project was directed by David Jacobs of the British Library."

SeaHandPress.com is not affiliated with Center for Hellenic Studies or the Homer Multitext Project in any way, and nothing herein is intended to suggest they endorse this PDF or Sea Hand Press.